



नैदिनसुखाय ॥

ॐ नमः श्रीगणेशाय ॥ २ ॥ ॐ नमः श्रीगणेशाय ॥ १ ॥
रुस्यवत्तापुखलुगुरुनवितमिरुका नकाभनृमं गलाभादेक कवाट्य कः
तियमिरुवैरुत्ताकाकामवर्गं मरु मन्त्रवृत्तानवनसवित्ताग नैमानवः
वोरुकादिकुरुपावतवुरुका वरुययनखगवनस्य ॥ अपिचवायासासमा
नवकु विनयानि मनासकि योगमत्त हना साधियस्यपुतादाघिसुदुनिः
उर्वस्वामिना निष्ययच ॥ न चपत्यात्मवर्षममदयानिसर्वकल्यानाम

म (सुख) ॥ २

रुस्यवत्तापुखलुगुरुनवितमिरुका नकाभनृमं गलाभादेक कवाट्य कः
तियमिरुवैरुत्ताकाकामवर्गं मरु मन्त्रवृत्तानवनसवित्ताग नैमानवः
वोरुकादिकुरुपावतवुरुका वरुययनखगवनस्य ॥ अपिचवायासासमा
नवकु विनयानि मनासकि योगमत्त हना साधियस्यपुतादाघिसुदुनिः
उर्वस्वामिना निष्ययच ॥ न चपत्यात्मवर्षममदयानिसर्वकल्यानाम
नमः श्रीगणेशाय ॥ २ ॥ ॐ नमः श्रीगणेशाय ॥ १ ॥
रुस्यवत्तापुखलुगुरुनवितमिरुका नकाभनृमं गलाभादेक कवाट्य कः
तियमिरुवैरुत्ताकाकामवर्गं मरु मन्त्रवृत्तानवनसवित्ताग नैमानवः
वोरुकादिकुरुपावतवुरुका वरुययनखगवनस्य ॥ अपिचवायासासमा
नवकु विनयानि मनासकि योगमत्त हना साधियस्यपुतादाघिसुदुनिः
उर्वस्वामिना निष्ययच ॥ न चपत्यात्मवर्षममदयानिसर्वकल्यानाम

निष्ठा नानी ॥५॥

[illegible][illegible]

॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ २

निसिसमनमः ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ २ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मनमः ॥ १ ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ३

धनकनकं ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नी ॥ ७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
उनती ॥ १० ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नवधर्मिणी ॥ १३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मिनीद्वीप ॥ १६ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

४२

मागारलिनिताअनुरुनकथतावीकानसंरावननननयविनिताविनिगक
 नवी२३अंआरककानवकाभममृदकसयसंत्माहिकहानमत्तय॥
 चलाभननससंवाधिरुलदायकसंघडिनयापिनमरुजकनसं२३
 गनमनलभरिगगुन्यकनूत्साहयसंसाभनाभनविनकनूप॥
 कजपनमानसयगंधाउत्तमसंयकसंखल्लारिकपचपिचुर्व२३कान
 मरुपूषागकैवजसंभपिनविपाककुनसं॥ ॥घटसंभकनन

गवक्रिया

永

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

यत्प्रपन्नं तत्तु अत्र कथं किं निजलं नृप ॥ १ ॥ मणिमिता धामनं तदवता चक्रं ॥
ज्ञानमन्त्रमानीय हृदी जक नमः ॥ ॥ पापीदि आचमनं दानं पूजनं सम
यमत्कपवैमिनि विमलक नमः ॥ २ ॥ मदीनांगड विरुय वाधिचिरु नृप मम
यमन्त्रज्ञानमन्त्रन किं नमः ॥ ॥ ६६३ ॥ नागागंधि न वि ॥ सिनिलाय
न च उवर्ष विदो नो ॥ वाक्पुमि क्काम लुल लाया ॥ ॥ ६६३ ॥ ॥ क्षमक्षमक
प्रयाहं की नहि च उमाला ॥ २ ॥ नाग धर्म माद वीधि न च्छादि ॥ ॥ ६६३ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

यत्प्रपन्नं तत्तु अत्र कथं किं निजलं नृप ॥ १ ॥ मणिमिता धामनं तदवता चक्रं ॥
ज्ञानमन्त्रमानीय हृदी जक नमः ॥ ॥ पापीदि आचमनं दानं पूजनं सम
यमत्कपवैमिनि विमलक नमः ॥ ॥ ६६३ ॥ नागागंधि न वि ॥ सिनिलाय
न च उवर्ष विदो नो ॥ वाक्पुमि क्काम लुल लाया ॥ ॥ ६६३ ॥ ॥ क्षमक्षमक
प्रयाहं की नहि च उमाला ॥ २ ॥ नाग धर्म माद वीधि न च्छादि ॥ ॥ ६६३ ॥

महः

नमोऽस्तु ॥ १३

[illegible]

विषयः॥ १४

[illegible]

कालिगवजा नला ॥ १७ ॥

द्व. वमदठि वल्लिमा ॥ ॥ दिग्विदिगा गका दियम दादिद्वी ॥
सहजानंदं मन्त्रिधना २ नमा मिथी चक सीवन मृगु नृचम (न आः
नाधिमा ॥ ५६ ॥ वागमय चम ॥ कालिगवजा नल न विममि क्विचि
डावयि डं कानना दनूपि २ कंड नृजा गकिरु वगली ना पयि सयि
जिन विंड नृपा ॥ ५७ ॥ वापन माने दम नृमि नृप का नि कोरा विष
गी म ई वजा २ डं ॥ ५८ ॥ कंड कंड २ काय धिपयी म ई वजा ॥

मणि

सुजात नृ

धवन मजुल ॥ १८ ॥

कालिकमल सुजात वनक नृग तन सगति श्रुय मुख सट लड जल
मकठ मुनि क सुसी मान न दहित वा म ॥ ॥ ५९ ॥ सुजात नृमि वरु
पथ कंड कमा नृप कालिमा २ वरु खरु न दकि क न धमि वा म
या लस्य न या पधमि ॥ ॥ विचित्र नला रु न विरु धि मा रु न
यजु न क मृ नृ नि नृपा २ नृगु नृचम ल सल प ॥ दान मा मि प न
मनि मा प द ॥ ६० ॥ वागम ॥ न वि वाप वन म नृल च का न वी ड ड

धारि

का नीला कवचमि मण्डलं २ यममृगं पानिपुरुषस्य पादौ रुक्मादिं श्रीं प्रपूजि
 तं ॥ ४० ॥ देवलिङ्गं २ हनस्तवी विष्णुना ननामय २ वरुमा मान २
 गाम २ किं दिकिदि दूष्मान विवृणुका न रुस्मि क्रो न दूष्ट ॥ ॥ यत्र
 वीर्यं वीर्यं विविधं नयत्रे मृगपदीये २ समिलये पात्रे नृप हृदि नै
 जातमममय रवर्क ॥ ॥ ४१ ॥ रुक्मिणं रुक्मिणं रुक्मिणं रुक्मिणं रुक्मिणं
 रवरी २ सकल घीयं यत्र दयमानि नै नै वा कृत्र प्रपूज्य मय प्रविश्या ॥

दि

का नीला कवचमि ॥ ११

॥ ४२ ॥ ॥ नागा कडि ॥ काना यि नमि या वा वा मृमनि न कनका ला
 २ नका यि विहायि वडा यि कनू न कया यि नला ला ॥ ॥ ४३ ॥ म न
 यजं क्रीड न वडा यि दिशि मा ना हि न वडा यि ॥ ॥ रुक्मिणं रुक्मिणं
 नगम ध्वमय नापि वयि ऊन या यि २ सा न का न ऊन पु न या यि इ इ न
 वडा न या यि ॥ ॥ वडा न म कस्तु नि मिहा कय न वा व न या यि २

[illegible][illegible]

२५६ श्रीमान् कामा २५६ विनादिनी कडवा नादा रुडा मा हया मा न
 भाजा ॥ ॥ सालिनी हन वन स ह मय न कथि न व वशिनी वाना
 शाग वनी ल व व व नडा दा भ म म म म ल रु व ली ता ॥ ॥ वि
 य ध उ प ग ह क्मा दी न सी व न पा स म यि गु ना रु का ना २५६ विना
 हिनी व रु वा ना रु रु म वि न द वी म्म भा ॥ ॥ म व कि ली ला
 व ड वी ल या ड न स म गु नू च न र म ना ॥ ५ २ स म या न र रु म्म

महुर १

दी २

२५६

॥ न स म्ब न व ड वा ना दी ॥ ॥ २५६ ॥ ॥ नाग ॥ क र्मा दि ॥ नि ही द या प्र यि
 या गिनी द रु क वानी २ क म ल क्क लि स य म क न न त डि वा यि ॥ ५ ॥ ॥ या
 गिनी रु क्क वि नू ख न ह न डी व यि २ ना मा म रु वी वि या न क म ल स यि व
 यि ॥ ॥ कृ प क्क या गिनी ल प न या यि २ म ति क्क ल व हि रा न रु म्म
 या न स मा न ॥ ॥ मा रु रु द न द्या न क्क वि नू मा न २ व न स यि द यि
 य क्क व रु ना डी ॥ ॥ रु न यि म्ब ड नि रु म्म क्क ड नू वी ना २ न न य ना

विशिष्टादिनाम्ना

[illegible]

अवनिनि। २२५

[illegible]

अवनिनि॥ २३

निर्मितांसावखरुसजल॥ ॥साधवमायापूनीदमवकात्रोडाव
सावापाउंदरुनल॥ २समनसमायानांगविमोहाज्ञानलायासेमादि
तदहा॥ ॥नलारुनगायकालिनमनि कयननोपूननूलमनीः
काना॥ २सूननननाथवीदितवन॥ ॥लायसुखमेनअवनतीना॥
॥ २३३॥ ॥नागाकामाद॥ ॥अवनितिनिहितजानैनीनीलसमदहा॥ २कक
प्रतिनयनहीषमवदना॥ ॥ ॥ननाई॥ २ननाई॥ २जानअवन

दंरुदं २

इदिता॥ २४

कारुलाया॥ ॥निविदिनयनयति॥ ॥निरुमर्मता॥ २यांखरुधामि
निरुवननाथ॥ ॥रुनिदमवकाठुन्दअडमाना॥ २मानविम्भः
यमितककयदमनी॥ ॥विविधिनननुमुनिलेकनदहा॥ २ज
गकवीकिरुवनरुलदायक॥ ॥ २३३॥ ॥नागाकामाद॥ ॥इदिताकनूल
यायवनदहा॥ २वनीसुदहामककागलेकना॥ ॥ ॥ध्यानदुखिवाभि
यसेरानिता॥ २अययानिनीजनमाईलेकना॥ ॥ ॥दिनकनम

न

ह्रीं विष्णवे नमः ॥ २ ॥

सुलभ (ध्वगता) २ देवा सुनन नमिल नमिमा ॥
पतिनिर्दना २ कनू लमन नमिल नमिमा ॥
रुतिगु नुरुका २ वरु वा ना ही तु इ निल नमिमा ॥
माद ॥ ह्रीं विष्णवे नमः वरु स सद हान वन स द्या विष्णु नमः कन धना २ द्या
दस रुडा वेद वद ना द्या दस वरु नन कन नमः ॥
चक्र गव नमान रुथ रु वरु थ रु नमः ॥

॥ दग्ध अलिग न
॥ गव कि पे व नः
॥ १० ॥ नाग का
॥ नमामि श्री वि
॥ चक्र विमति पि १० गव न

ह्रीं विष्णवे नमः ॥ २ ॥

कनिर्गवी नवी भगव न २ वरु चक्र पदा कनिर्दवी सी पन पदा ले नमिमा ॥
पदा सी पन पदा कनिर्दवी सी पन पदा ले नमिमा ॥
मामिगी चक्र सी वना ॥ ॥ सगु न वन नमिल नमिमा ॥
कलिता २ दान पति नमना रुथ सी पन पदा ले नमिमा ॥
यवा रुथ लि रु व घ नमि २ सगु न वन नमिल नमिमा ॥
वनी पाद कमल मरि मरुल ना व न नमिमा ॥ २ ॥

॥ १० ॥

पुनः कविनामकं मखलकं पितृविवं नोद नमसि नमालं २ गिलचलवि
 चकि नयिया कसमविरुषितगगनकं नलि वंधूनि लाया ॥ १५ ॥ यदुस
 गीह नूनवदभा नूकाला नूतनाथपीतवनलाया ॥ ॥ वज्रकनाठः
 कसा ॥ ० धनियार्क ॥ १० कियोडिख घाग २ संपूजयोगिनी कमलविहानगं
 गनमहासूरवभनिपसाद ॥ ॥ वज्रवानादीशालीनगसंवनना
 दयितवद्रविहगर्ग २ वाहलिका विनयिया ॥ १० ॥ किह नूवज्ज ॥ १०

[illegible]

२ अंगसिद्धि ॥ ३०

घालखद्यगिधारी ॥ ॥ अर्थ २ नोदसमानस्ति २ गिवनोदतननिनः
मासा ॥ ॥ अर्थ २ नोदकडगनसमान २ पुनमा मिश्रयवाक्यलि ॥
॥ २२ ॥ ॥ नागा ॥ वसन्त ॥ अमृतिदसपुलाखना २ विविधिनन
मनिमकठविरुधिना ॥ ॐ ॥ नाचयित्री अचनवीना २ ननाचन
उज्जानदविलासयिअचन ॥ ॥ यामउरुवविममडादगना २ पु
हालिगनअचयमहासुह ॥ ॥ विनागकडधुनिरुवरुयकना २ न

२ अंगसिद्धि ॥ ३०

स्यनिरुगखकडनिपाभा ॥ ॥ मानवकुनदध्यानिधिलविष्णुह
नी २ नविगमियगलसगगविलासयिअचन ॥ ॥ २२ ॥ ॥ नागा ॥ का
भाद ॥ पकालितकैकावाकवमनूति ॥ ॐ ॥ नीलकलसमधुनिदहा २
विम्वकडस्तिगमिदकननननमकठकोदाधियै ॥ ॐ ॥ नोमिगीच
उवीनरुवसिधनेनेनी २ विम्वनाथनिरुवनव्यापिनवदानिधेसन
कनन ॥ ॥ ॥ अर्नगजावृत्तिगविरुवनवीनसर्वरुखकडदध

निर्जितव ॥ ३३

नेश्वरममर्जुनिद्विद्यागधर्वरुवाविशतंतर्धनर्त॥ ॥ नानानः
 त्वासावनापुनकलिममलरुषितदहं दृष्टा कलालरीषमवदनीतिः
 रुचनलायापचतुर्वीर्ण॥ ॥ वीजाधिपानिसर्वरुचनर्तपुनोपि
 भायादिसाकमनसा २ सुनननयक्रादिर्वीदितपादिसर्वमिच्छिभाक
 रुलदं ॥ ॥ नागा मालव ॥ निर्जितवज्रवधुवदनेवलाया शीरु
 नगमलयागिनीपश्चिम ॥ ॥ ॥ आर्तदादिदवा रुलज्जार्तदादिद

पुनर्ज ॥ ३३

वांशपनिनात्रयिहवमनसा मयूहं ॥ ॥ पुष्पासनादिरुमृषाः
 निर्जितमृदुव २ सवनिज्जलहायिवयिसर्गाध ॥ ॥ शीरुनडादिः
 यानकलसिचन्द्रांशीमज्जनहाकिलीनिवाज्जं ॥ ॥ ज्वालिकाः
 निद्रायधनक २ कोदकिकमलकलिसवाठक ॥ ॥ पयिसयिउः
 म्बितिज्जयसंयाता २ वकडयागिनीमीगलगीतं ॥ ॥ घसमिधा
 त्रिचोनिवगावी २ लयनकडसमहं नृववाला ॥ ॥ नागा ताठ ॥

॥ कवचं ॥ २२

सकलजगत्सु नमस्त्वं वीना ॥ अनुपमकनकनैलेकनिभसुखचिन्ता
॥ ५ ॥ सर्वत्र ॥ कनकमयि कर्ष ॥ विविधविकल्पाविना सन नृणां ॥
दवीवावाही दुःखसन्निभदहा ॥ रुक्मशयनं विलासविषयं ॥
सकलविघ्नहृदि मयि निवृत्ता ॥ नतिपतिस्वर्गनिवासन नृणां ॥
हावाहावकुरुहीति वीना ॥ अनुपमसुखं मग्नसुखचिन्ता ॥ ६ ॥ नाग
नाट ॥ कवचं नृपलाकं वनकवचं नृपनृदं ॥ अखयति नैतन्मया ल

मतिः

त

॥ अखयति नैतन्मया ल

विगुह्यं ॥ ५ ॥ नावयि अवधवकानकमानं ॥ खद्योतिममणी वनः
गगनमाला ॥ ॥ अकनकमयि नैतन्मया ल ॥ अकनकमयि
नगतिमया लविगुह्यं ॥ ॥ कुरुवा नदुःखकुरुवा नवीना ॥ अ
वधवकानगतिमयि नैतन्मया ल ॥ ॥ रुलकुरुलकुरुलसुखकुंदा ॥ जि
निवृत्तनाथं नृपसर्ववलाया ॥ ॥ ॥ नाग ॥ निवृत्त ॥ अखयति नैतन्मया ल
नअखय अनूपममगलमगुलमाभ्यध्यापिका ॥ गुणमाविद्यासिगलाः

यथाविद्याद्वयपादौ विदुः समज्जदिता ॥ ५ ॥ नमामिनिनालैरुनिनः
 नृनस्वरावहृदुम् नृनसं क्कादिता २ सनदचैडसममं हृपकासिहडल
 डचलुसमव्यापिता ॥ ॥ खड्गयोगमन्त्रनसाधिमन्त्रकवर्हिमन्
 मलेसुसममं लिना २ निर्मलहृदया लक्षकथापिना अहिनिमिडुमह
 साधना ॥ ॥ आनंदपनमानंदविनमासजसैदेवकुनानंदसंरुवा
 २ पनमाविनमास्यनकादिनमहासखसगमसस्योपिता ॥ ॥

हवडकालचक्यीचकसंवनजूनककाठिसिद्धापात्रीगता ॥ ॥
 गीरुमडदिया नपुशुगिनिडा लैधनपुरु महासखजानक ॥ ६३७ ॥
 नागमननि ॥ मन्त्रनिर्मज्जनपनमपुरु सनमायासैहाव २ रावसचिय
 सैहावनानासिमयिजीव ॥ ॥ नडरुवनडनिवागनहिउरुसाम
 हासुववड २ याहावयिमनरावमयिषापनसाहयिकरु ॥ ॥ अ
 खलमकुविवड यातासाविन्दनचिरु २ उरुसापनमपुरुनारुदिना ॥

सन्निननन ॥ ३३

मायजिजा ॥ ३७

कि ॥ नृसिंहाय नमः ॥ ॥ जिनपदि विंदु सदा वदति निरा वयि म
नरा वं २ सनि नै न न प न म प ल न न ग यि पृ ॥ न प ड ॥ ॥ जिन ड ल
सर्व उ स हि न न स स क न मि क न मि स म म ल व ड ॥ न न य री द ध स व क
॥ ॥ ॥ नाग ॥ द म म ल ॥ मायी दाल वि म म द म स निल ॥ २ मा ह मा न द र्प
का दि न मा या मा ह ॥ ॥ ॥ व री सान अ मा न २ ना ग द म मा ह का दि न नि
न आ सा ॥ ॥ अ न मि ख न य न द र क नू वि य २ म म न वि ख द क

कि ॥ ३७

पू न न ड ॥ ॥ स रु ज ख रु ड न ना ग क का दि न २ न स प स री ग स न स
॥ ॥ अ वू व व ड द य न नु पा य प सा द २ ग व कि नि द पि या रु व य क
जालि वा ॥ ॥ ॥ ना ग री ग न मा यी ॥ ॥ दि रु ड २ क म ख न क व रु २ म
कू ट क म दि ग वि वा ॥ ॥ ॥ क ना र्क र्क २ क ना र्क र्क र्क र्क ॥ ॥ ॥ ॥
क ना ठ क द हि न क ना ठ क द हि न क न मि २ हा ठ रु न म स श रि ना ॥
स थ म ल मा म मी व द म न नि री नी २ व ड म डि न स श रि ना ॥

॥५॥

यवकु वनिंता ॥ ५३० ॥ नौरु नवि ॥ गठ ॥ कड कडा ॥ ध धनिय
 कमल कलि नजग वा नि २ उ म नू क न ॥ ध धन वि पू न वाम रव घा गि ध
 कपाल धना ॥ ५३१ ॥ श्री म व न ला या वा कलि रु स ड गि लि ॥ २ मा न
 थिल वा प थिल मा था सा स रु रु व न म डाली ना ॥ ॥ धां ध व स मः
 उ वाम महा ॥ ध धनिय ॥ उ न न निल माला २ नील रु नि रु ला दि रु क न
 का रु व रु उ म रु व रु नि वि क ला ल रु ध ना ॥ ॥ जालि रु प या रुः

विषय ॥ २२

नवचापययाथै न कालिना विदित मूर्धलीता २ विग्वकर्मलि अर्धच
 उडापायक व्याघ्र चर्म षडमडा ॥ ॥ कृति विनैवी नग्वन नायक
 छिनिचक महुा वीनीतीना २ कन गम्यता नवीनीवी नग्वन ऊडे थिय
 यान सप्तान धना ॥ ॥ नागवल लिन ॥ विषय २ विनये ममयाः
 गडा लथि चंडालिनि नाहिक मर २ दहयि छिनि लिम ॥ निगुनः
 थिस नग वड छिनि आता मम ॥ नय यल ॥ ॥

नमो भगवते ॥ ४३ ॥

मिमिह्यो यमनखम्वनं सयनज्यासापनिपुनिकुडधनिता ॥ ॥ ॥
नगीगलेयति वामं पीमर्हा काना २ मगलमपुलमाअपकलितलिता ॥ ॥ ॥
मृषि सहा नलाया विष्वविद्यापिता २ अफरुथ वक्रयाधि इति रुह नल
॥ ॥ वक्रधनपसाददासरुनयिया २ गुनचननमानसिद्धि वनपु
साद ॥ ॥ ॥ ॥ नागागन्धरुनवि ॥ विरुवनकनिकमनक्ति अननायन
विनयवर्हि ॥ ॥ ॥ नाचयि कुरु सत्वपनमग्वन विनयेवर्हि ॥ ॥

धनी

नामस्वस्त्यन ॥ ४२ ॥

नभिसेतैस सत्यकि नल दसस र्य सादस वरहि ॥ ॥ वक्रविह नन क्षात्रि
पनविमति अननायन सत्ववर्हि ॥ ॥ ॥ ॥ नागाग्वउगी ॥ वामस्वत्ये न व
नाददिनकनठि २ पायल नोपुनमपुमाला कपिता ॥ ॥ ॥ नाचयिन क
कादी वक्रयागिनी २ विनिन वदवी विरुवनपयिम ॥ ॥ कालमस
शयिपा जवीधिन २ नागाध्वममाह कननिन रुद्ध ॥ ॥ धूलगुम्फद
वीनिन उनद ॥ २ ॥ न्यपावदवी सैना ॥ ॥ ॥ ॥ सुवि सैना न द

पुस्तक ११७७

बीकनसदवी २ माक माग्ने उमभविगड ननी ॥ ११७७ ॥ नागासधमरु ॥
यमोदितदगुरुमीसुदनीसनमनमगुलसीदिनलयन २ द्वाद ॥ ११७७ ॥
उवदनस ॥ ११७७ ॥ वज्रवानादीकी ॥ ११७७ ॥ अलिगल ॥ ११७७ ॥
हसुननमानससंवाधिया २ द्वाद अलिगल अद्ययसंवावेताचयि
दानेगीसतिनलाया ॥ ॥ कलिसमय ११७७ ॥ चमप्रिगुलकहिउमन
स ॥ ११७७ ॥ किरा ११७७ ॥ प्रिगुलकपालखद्योगपन ११७७ ॥ गिलधना ॥ ॥

म

पुस्तक

पास

पुस्तक ११७७

पचडिनवनमकूटअलंकनमठमूयारुन १ विरुषिता २ अलिकाः
लिइयिअलिउचापयिवायचमनिवासनकुरुनन ॥ ॥ नन
गिनमालालीकगीसतनादिथचकुचिनि कन १ विरुषिता २ अलिकाः
नउइप्रायमन ११७७ ॥ वाकिपनमादिवरुगीता ॥ ११७७ ॥ नागासधमरु
गी ॥ ११७७ ॥ विनीसभावनविलासयिकयि २ ११७७ ॥ रुलाठासगुललाया ॥ ११७७ ॥
११७७ ॥ कुरुमलउगननिवासियाल ॥ ॥ अमिय २ निनठनद ११७७ ॥
रुडसुदनीमयाडिनइलपयि ११७७ ॥ ॥ अकडयागिनीवलमंल ११७७ ॥

विदलकमन ॥ ५१ ॥

वरुवा नादी आलिगल काल ॥ ॥ उठरु लाश क नू ल क वालि २ जय २
आलिगल नील व रू वाली ॥ ५२ ॥ ॥ नाग ॥ विरास ॥ विदल कमल वरु क
सू म सी ग म ध क न रु नू वालि ना २ श्री वि नू पा कू ख ग म ख द वी म द न पा
लय व्यापि ना ॥ ५३ ॥ ॥ न मा मि णी ते ना ना कि रु व न मा ना व रु ला द वी
धी म ग रु ल २ स य ल सू ना सू न वी द न व न ॥ ५४ ॥ ॥ न ग म धि सि धि व न प
सा द ॥ ॥ न द न व नी मि व च न्द नि न वा नू व अ न ग कू सू म सी पा नि ॥

न मा मि ॥ ५२ ॥

जा न व ॥ २ नि श ग गि स म म वा ग म मी मी नू अ न ग ति थ सू न कू व द न ॥
॥ ॥ अ रु क न व अ रु य गि ती द वी अ न ग द वा सू न कू व पाल २ अ
क म रु रु थ इ नि क नि न वा नू व अ ॥ ५५ ॥ ॥ वि श्वा नि न वा नू व ॥ ॥ वि
श्व वि या पि क ना नू वी द वी अ रु य नि नू क न ऊ ति म थ २ अ रु म न सू ख रु ल
दा य ती द वी क न ऊ न मा नू वी पा य सू न ॥ ५६ ॥ ॥ ना ग ॥ क न व ॥ न
मा मि २ उ न कू क नू द क व रु न म नू ति आ लि गि ना २ प व रु ल न प व रु ध

दुस्वप्नपावकधम्मशालयस्वप्ना ॥ ॐ ॥ ननादं २ उगकसीसा न उधनिः
 याममोहननमामु २ पञ्चजिनग्वना ॥ ॥ नमामि २ श्रीमामि पुनग्वः
 नमामि सिद्धि वनदायनि २ इति न रु न न सर्वपापकर्मक न दान पौ ॥ १५५
 रुमोक्षपदा ॥ ॥ नमामि २ धम्मोक्षु वागीग्वनघात २ इति न वनिम
 पुना २ वात २ गणन २ लज्जित २ नृलम् २ कानासुवध २ वपनिमलिता ॥
 नमामि २ वागीग्वनम २ लपयगिनिनिर्वा मिता २ सुखविमोहि न इ २ स्व

विनासयपलेमामिजिनवकुग्वना ॥ ॐ ॥ ॥ नाग ॥ सरुजवर्त ॥ मधुः
 निपुणिपुना इति रुनाला २ सकलदवगलवदितत्रन ॥ ॐ ॥ म
 निआदिवक्त्रयीमं २ रुमाना २ ल्वेअहिर्वध पयन २ धग्वना ॥ ॥ कंकम
 नृविनासुनृविनविषमा २ गुन्यागीतिनक नृलविदना ॥ ॥ विषयवि
 घसकूठपानगमनसा २ विग्वविद्यापितसि वगु नृस्वयं रु ॥ ॥ सकगु
 नृवन ॥ विन्दुआना ॥ २ गमवदितवगीतपवनकालिगम ॥ ॥ ॐ ॥

मधुनिपु ॥ १५३

नरु मूरव ॥ ५२

नागधनानी ॥ गडमूरविनमननागुवधवर्तनयाभिधतिगल ॥ २ मः
लिमकाननारुन ॥ तनूलिकिनलसकाग ॥ ५ ॥ मालिमाविम्रमालि
यादपमालियाइ ॥ खविनासर्न ॥ मालियामाला मालसुनासामनूयनः
मइ ॥ खविनासि ॥ ॥ पनगुवानीक ॥ वडखडहिनिपालददिनक
ना ॥ २ मूलधनूरखधारी ॥ गपत्यनकनठिवांम ॥ ॥ विविवककुकेनूः
कठिवंम ॥ जयकमलिमगुना ॥ लंवादनधनलंवादन ॥ ॥ ॥ पायलः

जिनवनननय ॥ ५३

मिनिमिनिवाडीन ॥ ॥ नलातनधननलाकानिनामूरिकमूरवज्जनि
सुदेना ॥ २ दीनीदलाकममूरवदानानमासु ॥ २ गलभिधति ॥ ५३ ॥ नाग
नामकनि ॥ जिनवनननयगीरुवनेगीकपिाकलनिवासिनिमनमालिः
॥ २ नयालमगुलमाभ्यमसिहकाकेन ॥ ॥ जगनमगुलमाभ्यमनिना ॥ ५ ॥
जिथागनिगरीयाभज्जवनानयादवपनमामिवगसललाकगवनदः
वंगुने ॥ २ सिवायागिवंधदरुपनिजमरुवपनिज्जमनिन ॥ ५४ ॥

वसुधैव कुटुम्बकम्

[illegible]

भगवत्कलसंभारं श्रीगणेशाय नमः ॥ कविकाव्यप्रतिभामध्यामककलागण ॥ ॐ ॥ नन्दनम
 जल ॥ नन्दनमध्यामकवायुनामकसंदिग्धविदिग्धवसिदवतीन ॥ १ ॥ अथ गणेश
 कविसेवीनमः ॥ नन्दननामध्यामकसंदिग्धविदिग्धवसिदवतीन ॥ ॥ कविकाव्यप्रतिभामध्यामक
 कालीकलाककविकाव्यप्रतिभामध्यामकसंदिग्धविदिग्धवसिदवतीन ॥ ॥ कविकाव्यप्रतिभामध्यामक
 कविकाव्यप्रतिभामध्यामकसंदिग्धविदिग्धवसिदवतीन ॥ ॥ कविकाव्यप्रतिभामध्यामकसंदिग्धविदिग्धवसिदवतीन ॥

धर्मिणिनि॥५॥

[illegible]

असिद्धल॥५८

नक्रमुयागर्गवमदवावाकलवाकलवडमूरववयन॥ ७ ॥ नोडमहावलि
 पिरुवनेगरु॥ २ मयमसिमऊमधिनाहाने॥ ८ ॥ नागा॥ ९ नवि॥ १० मति
 मलुलममसमडा॥ ११ नधनऊरुनडदकविम्ववडा॥ १२ ॥ पृष्वनऊनः
 मियलोयनगयन॥ १३ कृत्तपनिहामयिजिनगुलेलयन॥ १४ ॥ कौ॥ १५ धनि
 ॥ १६ ॥ न्दियविषयसवका॥ १७ समूदननगजिनकूलऊनका॥ १८ ॥ यवनड
 यिरुदियाहृदिधिभवीया॥ १९ कलसिवंजाननदरुदिरुदरु॥ २० ॥

बामाद्विना॥७६

[illegible]

अविस्तु ॥३०

वज्रमुनेन्यसमाधिः॥ ॐ नानागणैर्न वि॥ अविमर्शरुग्गवत्तमहाभाकृपयः
मदलयिनेरुमवाधिपदं २७ नामनगरुथर्वधनमात्रययेनमाम्मनयनः
मगुर्न॥ के ॥ अहिवत्समहायानमयारुमंदहित्रिकाचिकोमरुपानेनैः
नं २६ लयिष्येष्टमनहिरुमयलगुच्छकथनानुरुनवाधिपदं॥ ॥ सर्व
कथागमपुनन्यालघाटयामिमयापनर्न २७ यर्थ्यानादिक्रिपयनिर्वस्तिः
नकमलकलिलपनिर्मुर्धमन॥ ॥ कृतमउदककृष्टासिकमलजि

न कलसमयाश्चौर्ध्वपदं मरुजिनदव्यसमनकूपदसवलयमतिपानिका
 सास्यन॥ ॥ नमामि २ गी चतुसदायापनगुनवायदुधधिया २ सन
 गुनवननकमलपसादअनरुनसिद्धिमाकूपदं ॥ ॥ नागविहास
 ॥ धनधनदधनधानधन २ धानधधनधनचक्रिनिन ॥ ॥ मद्मद्दवज
 धकसगगा २ क्रीडनूयातासविनवन ॥ ॥ कनूकनूवकधम्मसमय २
 अंओलालिकलुवन ॥ ॥ कौलिकौललदधन २ ससमाकधिक

२३१

मलधन ॥ ॥ वरुसूथअनेहोतमा २ विधमयसमयस्वमदं ॥ ॥
 नत्ताधकवनवजगीन २ कनिकककमालधन ॥ ॥ सास्यनति २ स्वरा
 तपनम २ सास्यनसहस्रस्वरावधन ॥ ॥ वसिगदिजिनकसमय
 २ कायतिवंधनलावकवन ॥ ॥ क्रीडीपहाधकसगगा २ भवमलि
 मयनवमुख ॥ ॥ क्रीडदुआदिनवनवन २ पुनमामिसूननवज
 गीना ॥ ॥ नागललिन ॥ सादसहानथननूनीनकिडनिनवास

सादस ॥ ३३

महा१

सुखीकमनकन॥

निज्जुधनव्ययनय॥

षास्त्रयन्तु॥

॥ बुद्धिनिश्चयः ॥

वनयात्रियमिहसिद्धसकल॥

॥ न ना द्वा न ना द्वा न ना न ना द्वा द्वा ॥

五

॥नाग॥वनादि॥का०००॥

गर्वसा वाजिनेवी ॥ २७ ॥ नरु रुम व ॥

वैश्वदेव नक्षत्रात्

॥ अने उमयडि नदानकनया २४ दि नया

द्विसिद्धिमादियत् ॥ ६ ॥

सतिगगलड्वाभ

मास्थपवनक्षेदया॥

मदनलक्ष्मणकसिद्धा॥

शेखरवननाथदीहविलासा॥

२कमलकालसमंशलगमंरवा॥

॥ गंगामुना ॥ इति ॥ २ सावित्री नमः ॥

॥ उद्दिष्टं नान्यत् न किञ्चिद्गुणं ॥

॥ यवनयक्षसिमेव कूकेना बंधः ॥ शिवयनिः ॥

॥ नाग। नाट ॥ सहजसनामूह दनूबलाया

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ज्ञानस्वायेनीदवीविग्वया

राजराज ॥ ५२

पिनी २ किं दकि नमना महा सरव दाना ॥
प। धी वें २ या न विंड नममहा सरव दाना ॥
या २ दहि म मा नान सी सा नममूया ॥ ५२ ॥ नाग ॥ न वि ॥ ना सव न खग मरव
व रु चि रु न ध मा दया प नि रु मि न २ क र गि न म नो रु न म गु ल व रु धा रु २
दी य रु म ल व ल ॥ ५३ ॥ रु रु हा व रु न रु द य रु म ल धी र्य च रु न २ रु चि सि
चि रु न वि च्च वि न स न हा यि म हा मू या सि चि न ॥

॥ उच्चा टा य न दि न नृ चि या
॥ गु रु पु सा द अ न रु ने कि ॥
॥ आ दि वृ द्धा दी य

अथ य नि नें ५ न ५३

म न ध न म गु ल वि ला स यि ष ठा न च रु न २ नी ल व रु स न कि न यी म रु म रु
ला य प नि म रु न ॥ ५४ ॥ ना दि न रु रु दि रु न मि व रु न य रु न उ ग रु उ च्च ॥
न र्ग २ स य ल व रु चि न रु क रु न यि या नि रु रु व रु द य प नि रु व रु न ॥ ॥
गु रु उ य द म मि म यि र्ग ल मा रु न चि रु वि रु र्ग न २ स रु गु रु च न न गि ली
ग रु न यि या रु न यि स रु न व रु रु रु न ॥ ५५ ॥ ना ग ॥ नि रु रु ॥ अ रु व य
नि रु रु न अ रु व य अ रु य म ग रु न म रु ल मा रु य रु पि ना २ रु न य रु वि ला सि

गलायणीचिआदवषाणविंडुसमडादिता॥ ५ ॥ नमामिनिनीलक
 तिनेकनेनसरावकुंडुसुननसंकुदिता॥ २ ॥ नदचवसमकजपकासिकज
 लजचवसमवापिता॥ ॥ खड्गगंधागंधवमसाधिनचकवदिमनम
 तुलसमनेलीना॥ २ ॥ निमसहदयालचकधपिताअहिनिमिकुंडुस
 यमाधना॥ ॥ अनंदपनमानन्दविनमाअंसहकुचकुनानंदसर
 वा॥ २ ॥ पनमाविनमाअनकादिनमहासुखसुगनसंपापिता॥

हवजकालचकणीसंचकसंचनअनंदनकाटिसिद्धायानगगा॥ १ ॥ गीहक
 आदियानेपुगुगिनिजानंधनयकुमरासहजानंद॥ ॥ नाम॥ गीह
 छि॥ ॥ मचकपालाधमिनमोनिपचहानपचमडारन॥ २ ॥ ननमिन
 मालागीथीसरावाद्यचमोकगिरुमिकवदना॥ ५ ॥ ॥ हं हं हं कान
 सजातवदनाखवेलीवादननीनसमदहाकाटाधियगिणीमहाकावा
 २ ॥ पचममदयाहवलीनारुजनवचकपालेधना॥ ॥ नकवडव

प्रतिमिन्नयनाधानर्यकनदीममवदना २ उच्चपद्मालिगल क ॥ ३ ॥
 नमदिरंगकनममय ॥ ॥ कनतिकपालधनिखदीमनागवः
 लयनागककुलहाना २ नागसिन्धुसिद्धानोपुननागसमूहनागज्ज्वरन
 सुलभा ॥ ॥ जिनवनमोनेधनिनेमगावोद्यसासनसामककवी
 ला २ यनानुदामागुवरावासाग्वनकूलिगमज्ज्वरनगन ॥ ॥ ॥ ॥
 नाग ॥ ककुदिगविग्वसनानूदिनकननगुलो २ ककानसैरुवककुवकु

विश्वनागज्ज्वर ॥ ३ ॥

दहा ॥ ॥ नमादंशीरुनवलाया २ वरुथागिनीश्रालिगल नावयि ॥
 ॥ ॥ जयमुखमठकुडगुज्ञाननविनगा २ विग्वकलिगमज्ज्वरमक
 ठधना ॥ ॥ पथमकुडद्वयकलिगम २ द्विगियकुडनागत्रमार्क
 निय ॥ ॥ रुगियकुडमनूखदीगकपाला २ वठमूडामुलमालावि
 रुविदा ॥ ॥ श्रालिकालिद्रियश्रालिरुवापयि २ पुनमा मिन्नन ॥
 उकानवजगीता ॥ ॥ ॥ नागाकामाड ॥ विर्यगिननाथकियायिलस

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible][illegible]

श्रीविष्णुर्वाच ॥ ११

दिगक्षिकमानयाप्तकनले॥

॥ वाक्कलिवन (७) उज्जगन्धनिया २

गर्वोनेकूलिगंभीगीनचनल॥५४॥नामा॥कामाद॥अविजसंरुव

ककुवर्तुदहाष्टाविंशतमकृतधनार्वाभुजखयानखयानादहिनक

मठिधना॥ ॐ ॥ नमामिणीनेनात्मादवी२सानरुवरुअदनेर्षी

चतुर्विंशतिप्रीतिः ननृषैकवदननिर्गन्धार्थः २ पंचमूडारूपिगर्ज

॥ गंगा विने न गिर मूल मा ला ॥ ॥ खंद व इ वी म गि म ल मा म्य स न ॥

उच्चैः प्रवृत्तः ॥ १२

नमस्तुति च नमः १६ वीयाणि तीज कथा वा नमः सिद्धी यमस्य मन्त्र

॥ गीवरुद्वीपमाददानयनिसमनोद्वर्ष २ मर्यादाजनन ॥

धायरुनयिनलवडकुलिग॥ ८८३३॥ नागनामकवि॥

गलकंभ॥ २ नाच शिह नवडनमलिकंभ॥ १॥

ला २ घं मि च गु अलिलया उरु न व रा ला ॥

॥ ददिने रुम न वा मये छाया ॥

॥ तसि गण्डगोत्र्या मरुवद्या तिस्रं अक्ष

उरु यागिनी १३८

यागिनीमिनिह नूवसंग ॥ ॥ गभविकि कर्षु पाह नूवदा ॥ १ ॥ काय वा
कचिरुह नूवनिह ॥ ॥ ॥ नाग ॥ मालणी ॥ कर्षु यागिनीह नूवलाया २
गिरुवनमामादहिमपा ॥ ॥ ॥ पिवयित्व महानममहासुख कलिय
या २ वरुदवीरुलिया अनुरु नहान ॥ ॥ उरुतानी विदलकमलः
सिया ॥ २ ॥ दवीविलासयिषवनसंदरुयिया ॥ ॥ उरुयिह पथः
महासुखक नमिषा २ पथः गिनसवीरुवान ॥ ॥ ॥ सगगुनपमा

रुका नसिजाता १३८

द्वयुथारिखक २ पा ॥ ॥ गवनीसमानसमूडा ॥ ॥ ॥ नाग ॥ ननावनि ॥
रुका नसिजाता २ वरुददा २ द्विरुजवकास्य विनेदी ॥ ॥ ॥ रुका नसिजाता
रुका नसिजाता ॥ ॥ चक्रिकुलकनिमाता २ नूवक कय नवकसगी
॥ ॥ ॥ मखननी पुनपाय न २ घाधन रुस्रवाद्युवम ॥ ॥ ॥ रुका
वामकटाविश्ववर्द्ध २ गुप्तमूला अर्द्धवर्द्ध ॥ ॥ ॥ सवकनवामघर्द्ध २
रुनवकालिबालीरुपद ॥ ॥ रुका नसिजाता २ रुका नसिजाता २ रुका नसिजाता

नमो निन्दिते नमः॥३॥

[illegible]

सुखकृतनधना॥ ॥पीलावस्त्रनमलुनमहासखलाया२नाडाः
 विनाइपीनननुतसदर्वी॥ ॥पीतजात्रार्थवंधरुआवार्थ२रुन
 यिवाकवजगीनवनिना॥ ॥२२॥ ॥नाग॥नामकनि ॥कईदहधनसंसा
 नन२२घंघांलिगलजागधन॥ ॥ ॥हवजउभनताईईई२न
 ताईईईईनताईईईई॥ ॥सनननवीदिगुचनेतधन२कस
 मविलपनदहधन॥ ॥रावविमकठविलमंगुलनारवयि२नमा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥

हृदयं वज्रं गुणं पुराणं ॥ ॐ ॥ नाग ॥ पञ्चम ॥ हृदयं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
आनंदं नृपं धनं वसुधां कपालं चैव नमो ॥ ॐ ॥ कायं वाक्यं चिरं सत्त्वं सत्त्वं ल
वि विविधं विदिता ॥ ॐ ॥ पुनस्तस्मिन् विदिता ॥ ॐ ॥ वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं
ता कनूत्तमं य ॥ ॐ ॥ अल्पं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ ॥ वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं
॥ ॥ हृदयं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ ॥ वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं
ता ॥ ॐ ॥ वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥

गृहं सदानं नाथ आनंदं नाथ विजयं सत्त्वं विद्यां विद्यां ॥ ॐ ॥ वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं
लिङ्गं लसत्त्वं लयं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ ॥ गवत्त्वं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं
नीमां गुणं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं ॥ ॐ ॥ वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं
सर्वं सिद्धिं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं ॥ ॐ ॥ नाग ॥ कनडि ॥ गीहं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं
विरुद्धं वज्रं वज्रं ॥ ॐ ॥ पञ्च विनयापि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
पञ्च गवत्त्वं ॥ ॐ ॥ वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं वज्रं ॥ ॐ ॥ पञ्च विनयापि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ ॥

ॐ

दिनसालि मज्ज ७

विन्दु

स्फिक्ता रुचवती लवर्धु २ दहिन पाशु धत्री वाम धना ॥
नीशानिनी दवी २ गव किनि नावज्ज कानसी वजा ॥
वनि ॥ दिनमणि मधुल सङ्गा २ नादिनि दिग्विना ॥
विद्याधनी दवी २ नममस्त्रि सिद्धि वनय सादा ॥
वामसुत्रि पाशु विचित्र पूषा माला रुक्मा ३ नी ॥
काका २ उम दवी जग नड ननी ॥

॥ यमनिनी
॥ नाग ॥ नना
॥ नमामि श्री
॥ दहिन विन्दु
॥ मद्र केठे सादिघ
॥ श्री वृद्धा किनी प्राणिनी मणि

मज्ज ७

नमिर्धना २ गव कि सुन नवज्ज मंगलगीता ॥
वनादि ॥ मरुत महा धनी सा मधुल काठिहा धनी सा दहा २ दग काठिहा ध
माला यागिनी वन्द्या नवास्त्रि रुकन दवा ॥
लनास्त्रि निता नयागिनी वन्द्या न २ वज्ज धन ग्वनी कल आर्णिग नवा
स्त्रि कल स मा म्भे ॥
ले २ यमि मय मयका न डरु नख रु धनियान ॥

॥ २००० ॥ नाग ॥
॥ उँ उँ उँ कान मल
॥ पूर्ववज्ज विक्रिया न दक्रि न नत्र विरुलिया
॥ सपुन ॥ गरु

[illegible]

बेहृहाननिधियाजिहा ॥ ॥पथमकनक्षयवडुधनधनमृडाज्रा
निगननाजिहाश्रिनिगाक्षरकलधनरुमियज्ञानरुधवडुधनरुध
नवनधना ॥ ॥उरुयडुडुपातडुवधधम्मवापचडुधनामधनय
रुका२ननमयडुपडुलिगडिलिषननमधरुननृचिवना ॥ ॥
निवृद्धिवृद्धिहायिनमिगुगामिनामेवहृहानविमृष्टागना२नरुधन
धनधननागनधनमादिवडुधनन ॥ ॥५५॥नाग॥रुनवि॥पृथ्वि

पुष्पक यन्त्रो ॥ ७२

यनीहसमानगसनकनकवर्णुञ्जकसुधात्री २ उरुनमाहध्वनीवः
यवाहनेनचधवलवेतुनिगलध्वनी ॥ ५ ॥ हृदयवत्तमननीः
लवधुसहिताञ्जुवनवगलपतिमहिता २ अक्षमहिअनरुनमाक्षपः
दानासमननपोपेरुयहनन ॥ ॥ पश्चिमः ॥ यनी ७ हसिवाहन
कर्मवर्णवज्ररुका २ दक्षिणवावाहीधनधाननयीनी ७ कर्मसहिताम
हिखासनी ॥ ॥ ७७ ॥ नचत्रिकादवीकर्मवर्णकारिदुवमालदम

नसहिता २ अणुदिसकोमानीमखनवाहननकवाद्यादिवर्णुसहिकि
रुका ॥ ॥ नमस्तवेष्टवीगनूडवाहननखेवज्रसहिताविजयरुका
२ वायुवचामुआदवीककानवदनासिंहवाहननखेवज्रसहिताविः
जयरुका २ वायुवचामुआदवीककानवदनासिंहवाहननखेवज्ररुका
॥ ॥ अरुकेलनागमधालेयादि ७ गपालनवदग्नदिवी २ पुन
मामिदवीगीजानाधियाभेकुमुतिमृगुतियस्यसिद्धिकर्नेन ॥ ७७ ॥

दसपावजायाय सकानिदन (थासदु) वाया ह्वा (उरु) ॥
॥ नाग ॥ नाठ ॥ सकल उताग मसीसा ननु पाह ॥ सर्व नुप मरु कला ही ॥ कु ॥
दवमिनु वलपद अचल ॥ उताग दु सय मसीसा निद नुपा ह ॥ ॥ अही सिद्धि ॥
नही वद्वि स्या व न उताग म ह ॥ अही सी अही प नुप न पूर का ह ॥ ॥ द ॥
वास नो ह उताग न का ॥ ॥ अही उताग अही ल विम्वर सिद्धि न ह ॥ ॥ ॥ ॥
अवनि निहि र वास जान स द स क च व (उ) ए न को न क म म को त ऊ गि म कि पा नी ॥
निमिदि म य न स न नी व ल न न च ल व क स म य नु क उ वि क ल्य विम्वर ह का च ला य ॥

विम्वर ह का च ला य न ग ह का म वा उ रु व द्दी ह ती रे प्र नि पी उ ता ध न म न वा रा उ
ता मा न नी ॥ उता मा नि विम्वर डि न ह क न क न पौ ती क स वा ध न व न्दी य न य लु मा ह
ना य ल म दी का ह पू द ह म द ॥ ॥ न म न या ग म्ब न य स द्वा वा ल म नी ना क यो
गि नी उता ग न य क ॥ या ग म्ब न उता ग न य क ॥ न न्वा य द वि द्वा
वि नि ल व स म्ब क नि स क न न र स र ता वा धि व दं द यु न उता ग लं वा य त द कां त द स
सं पं त क दं द यु ग रि य रि रु नं यो क न क य या नं मा लं न त्या व मा न ह न लु क ग त त म द न
न क म ॥